न्यूज डायरी

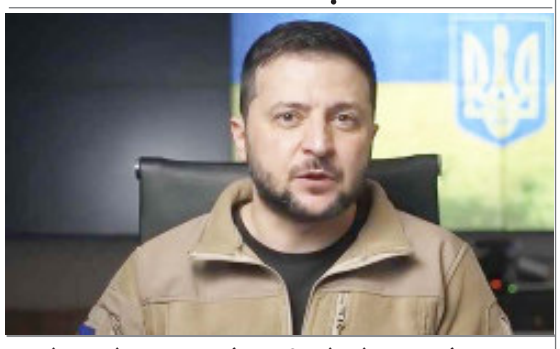

यूक्रेन के बाद और भी देशों पर हैं रूस की नजर, जेलेंस्की ने किया आगाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने चेताया कि उनके देश पर रूस के हमले तो बस शुरुआत है, मास्को ने दुनिया के अन्य देशों पर कब्जा हासिल करने की योजना बना रखी है। बता दें कि इससे पहले रूसी जनरल ने कहा कि वे दक्षिणी यूक्रेन पर पूरा कब्जा चाहते हैं। शुक्रवार देर रात जेलेंस्की ने एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा, श्हमारी तरह सोच वाले देश एकजुट हो साथ दें। वे जरूर हमारी मदद कर सकते हैं क्योंकि हम पंक्ति में आगे हैं और हमारे बाद कौन आएगा? यूक्रेन के पूरे दक्षिणी भाग पर रूसी सेना कब्जा करना चाहती है। इससे उसे माल्दोवा के कब्जे वाले इलाके में जाने का रास्ता मिल जाएगा। रूसी सेना के सेंट्रल एरिया के डिप्टी कमांडर रुस्तम मिनेकायेव ने यह बयान रूस के उस दावे के उलट दिया है जिसमें कहा गया था कि वह यूक्रेन पर कब्जा करना नहीं चाहता, बल्कि उसकी सैन्य ताकत को खत्म करना चाहता है।

पाकिस्तान में नई सरकार आने के बाद भी नहीं रुक रहे आतंकी हमले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेशावर। पाकिस्तान में शहबाज सरकार आने के बाद भी देश में आतंकी हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। खैबर कबायली जिले और पेशावर के कुछ क्षेत्रों में हिंसक आतंकवादी हमले लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे ही एक हमले में अजब तालाब खैबर में स्थित दो पुलिस चौकियों और पेशावर में सचिव पुल को आतंकियों ने निशाना बनाया था। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को पांच नागरिकों के साथ एक इंस्पेक्टर और सहायक उप–निरीक्षक की आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए सब–इंस्पेक्टर (एएसआई) के सहायक रहीम शाह ने भी बाद में दम तोड़ दिया। बता दें कि यह हमला शहाब खेल, बाजिद खेल, शेख मोहम्मदी और अन्य स्थानों के कस्बों में पिछले दिन चलाए गए एक तलाशी अभियान के बाद हुआ। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, कथित तौर पर आपरेशन के दौरान लगभग 18 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था। इसके अलावा, बड़ाबेर, सरबंद और मटानी के कस्बे भी पिछले कुछ हफ्तों में लगातार आतंकवादी हमलों का शिकार हो रहे हैं।

यूएई में नंबर प्लेट और मोबाइल नंबरों के ऑक्शन का आयोजन किया गया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अबू धाबी। वीआईपी नंबर प्लेट का भारत ही नहीं पूरी दुनिया में क्रेज है। अमीर लोग इन नंबर प्लेट्स को पाने के लिए लाखों–करोड़ो रुपए खर्च कर देते हैं। यूएई ने हाल ही में श्1 बिलियन मील्सश की मदद के लिए एक चौरिटी ऑक्शन का आयोजन किया, जिसमें कई वीआईपी मोबाइल नंबर और गाड़ी के नंबर प्लेटों की नीलामी की गई। इसके जरिए यूएई ने 3 अरब 35 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इस नीलामी के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि देश में वीआईपी नंबर प्लेटों को लेकर लोगों नें भूख बढ़ी है। दुनिया में 10 सबसे महंगे नंबर प्लेट्स में से 8 यूएई में ही बेचे गए हैं। लेकिन बड़ा सवाल है कि आखिर लोग गाड़ी के लिए इतनी महंगी नंबर प्लेट क्यों लेते हैं।

मोस्कवा युद्धपोत हमले में एक रूसी सैनिक की मौत, 27 लापता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। रूस–यूक्रेन युद्ध में कुछ दिनों पहले पुतिन को बड़ा झटका लगा जब रूसी सेना की शानश कहा जाने वाला युद्धपोत मोस्कवा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर काला सागर में डूब गया। अब रूस ने पहली बार इसमें हताहतों की संख्या का खुलासा किया है। रूस का कहना है कि युद्धपोत पर आग लगने और डूबने से उसके एक सैनिक की मौत हो गई और 27 अन्य लापता हैं। एक यूक्रेनी अधिकारी और डिफेंस इंडस्ट्री के विश्लेषकों के अनुसार, मोस्कवा मिसाइल क्रूजर को निशाना बनाने के यूक्रेनी ऑपरेशन में तुर्की निर्मित अटैक ड्रोन शामिल हुआ था। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि बीते सप्ताह युद्धपोत मोस्कवा पर आग लगने के कारण एक नौसैनिक की मौत हो गई, जबकि 27 लापता हैं और 396 को बचा लिया गया।

कीव में दिल दहला देने वाला नजारा, मिलीं हजारों लाशें

हैवानियत

कीव में खोजी गईं 2435 लाशें, अधिकारी बोले– ज्यादातर को लगी गोली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कीव। यूक्रेन के कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने कीव क्षेत्र में 1,084 शवों की खोज की है, जिनमें से अधिकांश की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। ये जानकारी शीर्ष पुलिस अधिकारी ने दी। ऑनलाइन अखबार यूक्रेइंस्का प्रावदा ने शुक्रवार रात एक टेलीविजन प्रसारण में क्षेत्रीय पुलिस के प्रमुख एंड्री नाब्यतोव के हवाले से कहा, जांचकर्ताओं द्वारा शवों की जांच की गई और उन्हें फोरेंसिक चिकित्सा सुविधाओं में ले जाया गया।

नाब्यतोव ने कहा कि पीड़ित नागरिक हैं जिनका क्षेत्रीय रक्षा बलों या अन्य सैन्य गतिविधियों से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा, श्पीड़ितों में से 50 से 75 प्रतिशत आग्नेयास्त्रों और मशीन गन, स्नाइपर राइफल, सबमशीन गन से मारे गए। वर्तमान में, पीड़ितों के 300 से अधिक शवों की पहचान नहीं की गई है। जानकारी की प्रतीक्षा करने के बजाय, नाब्यतोव ने यूक्रेन के लोगों से उन मित्रों और रिश्तेदारों के बारे में विवरण प्रदान करने का आग्रह किया, जो 24 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से गायब हो गए हैं या उनके संपर्क में नहीं हैं।

यूएन का डेटा, अब तक 2435 आम नागरिक मरेः उन्होंने कहा कि सूचना उपलब्ध कराते समय उन्हें सबसे पहले फोन लाइन 102 का इस्तेमाल करना चाहिए।

रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद 21 अप्रैल तक तो संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने 2,435 नागरिक मौतें और 2,946 घायलों की संख्या दर्ज की है। जानकारी के मुताबिक, मरने वालों में 631 पुरुष, 383 महिलाएं, 42 लड़कियां, 61 लड़के और 70 बच्चे शामिल हैं। हालांकि, कार्यालय ने निर्दिष्ट किया कि वास्तविक संख्या अधिक हो सकती है, क्योंकि कुछ स्थानों, जहां लड़ाई चल रही है वहां से रिपोर्ट आने में देरी हो सकती हैं। वहीं यूक्रेन की सरकार ने मरने वालों की संख्या 10,000 से ज्यादा बताई है।

मारियुपोल के पास मिली सामूहिक कब्रः खबरों के मुताबिक यूक्रेन के ध्वस्त हो चुके शहर मारियुपोल के बाहर एक और सामूहिक कब्र मिली है। शहर के मेयर के सलाहकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शहर की परिषद ने प्लेनेट लैब्स द्वारा सैटेलाइट से ली गई एक तस्वीर पोस्ट की है जिसे सामूहिक कब्र बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 45 मीटर लंबे और 25 मीटर चौड़ी इस कब्र में मारियुपोल के कम से कम 1,000 निवासियों के शव हो सकते हैं।

अमेरिका ने रूस का समर्थन करने के लिए चीन को चेताया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रसेल्स। अमेरिका ने चीन को यूक्रेन में रूसी हमले का समर्थन करने के लिए एक बार फिर चेताया है। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यूक्रेन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा छेड़े गए युद्ध को समर्थन प्रदान करने के खिलाफ चीन को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि मास्को के खिलाफ प्रतिबंध बीजिंग को एक चेतावनी है जो अमेरिका उसपर भी लगा सकता है।

यह पूछे जाने पर कि अगर चीन रूस को भौतिक सहायता प्रदान करता है तो अमेरिका क्या कर सकता है, अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन ने जवाब दिया कि हमने रूस पर प्रतिबंधों, निर्यात नियंत्रणों से क्या किया है ये सब जानते है। इसलिए यह चीन के लिए एक चेतावनी है क्योंकि ये सब प्रतिबंध उसपर भी लग सकते हैं अगर वह रूस को हथियार सहायता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि बीजिंग को रूस के युद्ध से सही सबक सीखना चाहिए, जिसमें यह भी शामिल है कि वह अमेरिका को अपने सहयोगियों से अलग नहीं कर सकता। साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका चीन के साथ नाटकीय तनाव से बचने की कोशिश कर रहा है। शेरमन ने चीन के सरकारी मीडिया पर रूस के दुष्प्रचार करने के लिए एक दुष्प्रचारी तोता बताया।

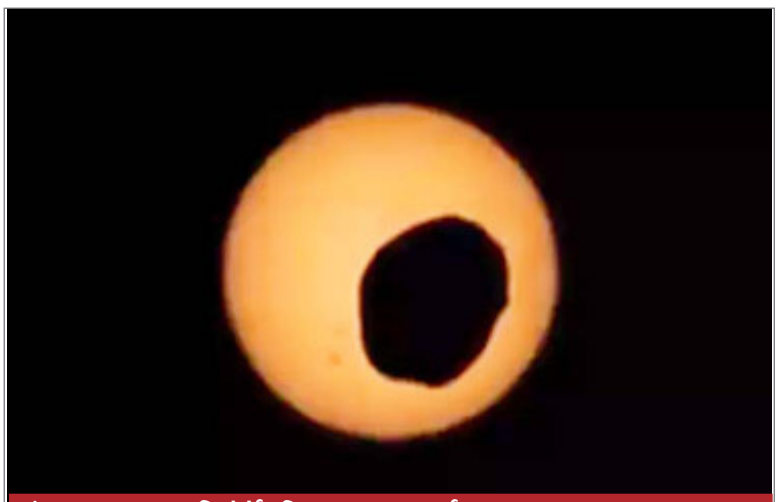

मंगल ग्रह पर रिकॉर्ड किया गया सूर्य गृहण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। सूर्य ग्रहण देखना कई लोगों को बेहद पसंद होता है। पृथ्वी पर आपने कई बार सूर्य ग्रहण को देखा होगा। लेकिन अब नासा ने मंगल पर हुए सूर्य ग्रहण को रिकॉर्ड किया है। नासा के परसेवरेंस रोवर ने मंगल ग्रह के आलू की आकृति के चांद फोबोस को सूर्य के आगे से गुजरते हुए रिकॉर्ड किया है। फरवरी 2021 में परसेवरेंस रोवर को मंगल ग्रह पर भेजा गया था। 2 अप्रैल को रोवर ने नेक्स्ट जेनरेशन मास्टकैम–ं कैमरे से इस घटना को रिकॉर्ड किया।

रूस को जी–20 से बाहर निकालना नहीं होगा आसान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद और सभी तरह के प्रतिबंधों के बावजूद रूस, जी–20 का सदस्य बना हुआ है। सवाल उठता है कि क्या रूस की जी–20 की सदस्यता छीनी जा सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछली बार जब रूस ने 2014 में यूक्रेन पर हमला किया था, तो नाराज विश्व नेताओं ने रूस को आठ औद्योगिक राष्ट्रों के समूह यानी जी–8 से से बाहर कर दिया था। जिसके बाद जी–8 को घटाकर जी–7 बना दिया गया। इस बार भी रूस पर कई देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं। बावजूद इसके यही संभावना अधिक है

रूस और पश्चिमी देशों के बीच संबंद्ध अच्छे नहीं

कि रूस इस संगठन का सदस्य बना रहेगा।

आपको बता दें कि चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे जी–20 में रूस की सदस्यता का समर्थन करेंगे, जो औद्योगिक और उभरते बाजार वाले देशों का प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन, सवाल है कि जब जी–20 में मौजूद ज्यादातर सदस्यों के संबंध रूस के साथ अच्छे नहीं हैं तो आखिर रूस इस संगठन का हिस्सा क्यों रहना चाहेगा? रूस और दूसरे पश्चिमी देशों के बीच रिश्ते कितने तनावपूर्ण है,उसका एक उदाहरण देखने को तब मिला जब पिछले हफ्ते रूस ने आईएमएफ की प्रमुख सलाहकार समिति को यूक्रेन पर उसके आक्रमण की निंदा करते हुए एक विज्ञप्ति जारी करने से रोक दिया था। इस अहम बैठक में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, जी –7 और जी–20 के बड़े समूह के अधिकारी शामिल थे। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा से जब रूस को जी–20 से बाहर करने की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इस बारे में कुछ भी बताने से इन्कार कर दिया। उनका कहना था कि फिलहाल दुनिया की बड़ी समस्याओं को हल करने के लिए सहयोग की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने की जरुरत है।

अंतरिक्ष में पुतिन से अकेले लोहा ले रहे एलन मस्क!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच एलन मस्क की स्पेसएक्स भी पिसते–पिसते बची है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने इसे लेकर बड़ा खुलासा किया है। पेंटागन की ओर से कहा गया है कि रूस ने स्पेसएक्स की इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली स्टारलिंक सैटेलाइट को जाम करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक हमला किया। अमेरिका में रक्षा सचिव कार्यालय की ओर से कहा गया कि अमेरिकी सेना को अपने इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वारफेयर के रिस्पॉन्स को और तेज करने की जरूरत है। हम इसे कैसे बेहतर करें यह प्राइवेट सेक्टर से सीख सकते हैं। स्टारलिंक पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे 2,000 से ज्यादा सैटेलाइट का एक समूह है। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स बिना किसी मोबाइल टावर के अपने इंटरनेट डिश के जरिए इन सैटेलाइट्स से इंटरनेट उपलब्ध कराती है। इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण रूस–यूक्रेन युद्ध में दिखा, जहां मोबाइल नेटवर्क न होने के बाद भी लोग स्टारलिंक के जरिए पूरी दुनिया से जुड़े हुए हैं।